

संपादकीय

फारुख अब्दुल्ला की बेतुकी मांग

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारुख अब्दुल्ला ने एक बार फिर अपनी बेतुकी मांग दोहराई है। उन्होंने कहा है कि कश्मीर में शांति की बहाली के लिए भारत को पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ बातचीत करनी चाहिए। उनका कहना है कि जब भारत चीन के साथ बातचीत कर सकता है तो फिर पाकिस्तान के साथ बातचीत करने में क्या दिक्कत है। इस तरह की मांग डॉ फारुख अब्दुल्ला पहले भी कर चुके हैं। इसी तरह की बातें जम्मू कश्मीर की एक और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुन्नी भी करती रही हैं। इन दोनों नेताओं को कश्मीर से जमीन खिस्त करनी है। 370 के खाली के साथ ही जम्मू कश्मीर और तिब्बत के अलग होने से डॉ फारुख अब्दुल्ला और महबूबा मुन्नी की राजनीतिक दुकानदारी बंद हो गई है। यही वजह है कि ये अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए अकस्मर विवादस्पद बयानबाजी करते हैं और पाकिस्तान की पैरोकारी करते हैं। डॉ फारुख अब्दुल्ला को समझना चाहिए कि चीन के साथ भारत ही हमारा सीमा विवाद चल रहा हो लेकिन चीन ने कभी भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ नहीं कराई है। चीनी सेना जरूर गांव बगावे भारतीय सीमा में घुसती है लेकिन उसे भारतीय सेना खदेड़ देती है। इसलिए भारत चीन के साथ बातचीत कर रहा है लेकिन पाकिस्तान के साथ हालताना जुड़ा है। पाकिस्तान लातार भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ करकर यहां आशाति फैलाने की कोशिश करता है। इसका भी भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान मुंहतोड़ जवाब देते हैं। इसके बाद भी पाकिस्तान अपने नापाक इरादों से बाला अपने का नाम नहीं ले रहा है। पाकिस्तान ने भारत के साथ खुद ही रिस्ते खाव किए हैं। इसलिए पाकिस्तान से बातचीत करने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। तमिलनाडु के चेन्नई में बुधवार को वीएमके की तयार से विपक्षी एकता को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला औरकमलेश्वर झा आगोशित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा है कि भारत विचित्रता में एकता का देश है। भारत ने पहले ही कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का प्रस्ताव नहीं छोड़ता तब तक उसके साथ किसी भी तरह की कोई बातचीत नहीं होगी। कश्मीर घाटी के पुलवामा जिले में सशस्त्रों ने एक कश्मीरी परिवार की हत्या कर दी। इस पर नेशनल काँग्रेस अध्यक्ष फरक आठवले ने कहा कि हम इसकी निंदा करते हैं। इसलिए भारत का खुन करण भी हमें इसमाफ करना सख्त नहीं हो सकता। उन्होंने आगे कहा कि सरकार को कश्मीरी पीड़ितों तक तक घाटी नहीं लाना चाहिए जब तक यहां पूरी तरह सुरक्षा नहीं मिल जाती। पाकिस्तान जो इन दिनों धुंधलावा का शिकार है और नाले तक कर्ज में डूबा हुआ है वह खुद चाहता है कि भारत के साथ उसकी बात हो और भारत भी उसे मदद दे लेकिन भारत उससे साथ भी बातचीत नहीं करेगा और शायद मदद भी देगा जब वह कश्मीर राम अलापना बंद करेगा और आतंकवाद का प्रस्ताव छोड़ेगा। पाकिस्तान ऐसा करने को तैयार नहीं है तो फिर उसके साथ बातचीत भी संभव नहीं है। यह बात डॉ फारुख अब्दुल्ला और महबूबा मुन्नी को अच्छे से समझ लेनी चाहिए और पाकिस्तान को भाषा बोलना बंद कर देना चाहिए।



राजीव खटेतवाल

भाषा तो हमेशा की तरह हमारा पूर्व ही दुनिया की टेपेरी ने जुट जाती है, बोलिए वह पांसे सला करनी न करनी दुनिया को ने ही रहती है। फरुख कोरसे की रिपति है "जकी मैस करनी ने" जैसी होती है। करी-करी ने "बी फर्क" भी हैसियेट पर पहुँचने पड़ जाते हैं। लेकिन इस बार कलकत्ता ने भी "तुम डाल डाल हम पा पा पा" की राई पर भाषा की तरह पा पा प्रकृत का सला टेपेरी सला-पूर्व देसी ने प्रवेश कर दे है। "सबे रिपति" का सूर बावत फाड़ कर "सैय टाटल" ने दुनिया लज्जे की कलकत्ता की टेपेरी जात है। इसलिए आज की रिपति ने यह कला बहुत जटिलता लेता कि दुनिया ने कोना पूर्व जीतेगी? किसी विधानसभा चुनाव ने अब भाषा की हल ही है व कोरसे की जीत हुई, वह "कोरसे के सला बंद" लज्जे का अनुमान किसी ने नहीं दिया जात था। इसलिए इस बार कोरसे उत्तर लज्जे तक के तुलना लज्जे का प्रवास कर रही है क्योंकि उसे अब सला प्रदि की अनिष्ट जगह तक रही है, जो लाउट पिस्सी बार इतनी भी नहीं थी।

“जन्ता की सरकार” किस इंडे तले

नवम्बर 2023 में मध्य-प्रदेश के विधानसभा चुनाव अन्त 4 प्रश्नों व एक केन्द्र प्रश्न प्रेश जम्मू-कश्मीर (संभावित) के साथ हो रहे हैं। बादलत गुजरेत समय के साथ "गुम" परिवर्तनवादी, प्रगतिवादी, विकासवादी होता है, या कभी पिछड़ेपन लिपे भी होता है, परंतु "जड़" नहीं होता है। बड़ा प्रश्न यह है कि आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव में "इंडा" किसका बजगा, "इंडा" किसका गड़ोआ और

“खरी” उतरेगी या अपने किये गये वादों को पुरा न करने के कारण जनता में फैले असंतोष से पिछले विधानसभा चुनाव के समान कांग्रेस भाजपा का “टाट उलट कर” सत्ता का “मुकुट” पहन पाएगी? इसका कुछ तथ्यात्मक अनुमान लगाना यद्यपि “कुंए में बांस डाल कर लगाने” जैसा है। तथापि अनुमान लगाने के पूर्व चुनाव संबंधी कुछ सामान्य बातों की चर्चा कर लेना आवश्यक है।



26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस की परेड को सलामी लाल परेड पुलिस ग्राउंड, भोपाल में होने लगा? परिवर्तन होगा? या पुनरावृत्ति होगी? इसका सटीक आकलन करना तो “गुलर का फूल तलाशने” जैसा है। फिर भी लगभग 9 महीनों बाद होने वाले विधानसभा चुनाव का आकलन पिछले सत्ता चार सालों को कार्यगणली के आधार पर और हो रही चुनावी तैयारी को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। परन्तु आगामी 9 महीनों में आगे क्या कुछ घटित, जो शाहद हमारी-आपकी कल्पनाशीलता में न हो या जिन पर हम आज विचार नहीं कर पा रहे हैं, का परिणामों के अनुमान पर प्रभाव डाल स्याभाविक है। परन्तु किन्तु बड़ा प्रश्न यह है कि, इस “सुरते हात” में “तेल देख तेल को धार देखते हुए” बर्तमान चुनावी आकलन इस प्रकार के बावत क्या है?

आभी चुनाव में 9 महीने शेष हैं। गर्भधारण करने से सप्ताह 9 महीनों में कच्चा का जन्म होता है और प्रसव कर सहेने के साथ बच्चे के पैदा होने पर माँ व पाली करी चुकी होती है। कुछ-कुछ बेसी ही स्थिति राजनीतिक आकलन की भी समझिए। आज राजनीतिक आकलन का “कच्चा” खला गया है। 9 महीने बाद जब परिणाम आये, तब राजनीतिक आकलन या चुनावी जन्मत संवेक्षण (ओपिनियन) किसी की “कट” देते तो किसी के चोरे पर “मुस्कुराट” ला देंगे, वह देखने की बात होगी। गर्भधारण के बाद लिविंग टैट कर काटनुपन अपराध है। जैसे “एकितर पोल” सर्वेक्षण पर कानूनी प्रविष्टि (मार्दान समझे होने के सम्य तक) जरूर लागूया गया है, तथापि ओपिनियन पोल पर नहीं।

सिद्धांत: राजनीति का सामान्य सा सिद्धांत यह है कि जब कोई सरकार जनीशर पाकर चुनी जाती है, वह पांच वर्ष अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादों की पूर्ति हेतु जहजित में कार्य कर 5 साल बाद पुन: जनशेद मांगने के लिए जनता के पास फिर जाती है। क्या इस “कसौटी” पर भाजपा फिर

जहां तक चुनावी घोषणा पत्र/वचन पत्र का प्रश्न है, कोई भी पार्टी चुनावी वादों के घोषणा पत्र को 5 साल की अवधि में न तो पूरा कर पाती है और न ही समर्थक वाद पांच साल की अवधि में करने के लिए होते हैं। सामान्य रूप से आम जनता भी इन घोषणा पत्रों को “कागजी घोड़े” मानते हुए उन पर ध्यान न देकर मात्र एक “परिपाटी” मान कर उनके पूरा होने या न होने के आधार पर अपने मतों का निर्णय नहीं करती हैं। इसलिए चुनावी घोषणा पत्र के लागू होने का मुद्दा इन चुनावी परिणाम में बहुत कारक होगा, ऐसा लगता नहीं है। वह चुनाव परिणाम की दिशा को तब करेगा, ऐसा भी नहीं लगता है, विपरीत इसके जैसा कि विश्व के कुछ लोकतांत्रिक देशों में होता है। यद्यपि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का बड़ा कारक जनता के असंतोष को ही बतलाया गया था। विधानसभा चुनाव में एक प्रमुख मुद्दा एंटी इनकमेक्सि (सत्ता विरोधी कारक) का होता है। इस फैक्टर का मतलब कदापि यह नहीं होता है कि सत्ताधारी दल की सत्ता के खिलाफ ही असंतोष हो। बल्कि तथ्य एक यह भी होता है कि जनता ने जिन प्रतिनिधियों को चुना है, चाहे वे सत्ता या विपक्ष के हों, जनता की नजर में वे आरूढ़ (सत्ता-रूढ़ विचारिका के) हैं। इसलिए चुने हुए विधायकों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर भी एक ऐसी ही एंटी इनकमेक्सि फैक्टर मौजूद होती है। क्योंकि वोटर किसी “एक जहाज का

पंखे” नहीं होता है। यह बात जरूर है कि यह कारक सत्ता पक्ष के खिलाफ ज्यादा होता है, क्योंकि उनके पास जनता के हितों के लिए कार्य करने के लिए सत्ता (पावर) होता है। इस दृष्टि से देखे तो मध्यप्रदेश में सत्ताधारी पार्टी भाजपा के कार्यकर्ताओं में असंतोष सीसा से ज्यादा खतरनाक लेवल (स्तर) तक पहुँच गया है। यह सबसे बड़ा चिंता का कारण संघ सहित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिये बन गया है।

क्योंकि असंतुष्ट जनता को बुध में लाने का कार्य संतुष्ट कार्यकर्ता कर सकता है, परन्तु संतुष्ट जनता को बुध में लाने का कार्य असंतुष्ट कार्यकर्ता नहीं कर सकता है। क्योंकि “कड़े गोर के लिये पैंतों की जरूरत होती है”। एक अनुमान के अनुसार प्रेश की दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियाँ भाजपा व कांग्रेस का प्रिवेड (कमिटेड) वोटर लगभग कुल 40 प्रतिशत के असमय होता है। आप हम साथ जानते हैं कि इस देश में कम से कम 50 प्रतिशत मतदाता (कमिटेड अथवा प्लेटिड (अस्थायी) दोनों) राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं के प्रस्थ या अकल्य प्रयासों से

ही बुध पर पहुंचते हैं। इस कारण वे कहीं भाजपा के गले में खारे की घंटी बज रही हैं। बसे एंटी इनकमेक्सि फैक्टर की (ओवरपावर) “कच्चा सत्ता से बांधने” और “सत्तानुद” करने की क्षमता भाजपा में आ गई है। साथ स्वस्थ गुजरात, उत्तराखंड, असम, नाग व कर्नाटक प्रदेशों के चुनाव परिणाम हैं। परन्तु भाजपा को विकास यात्रा कहीं इतिहास की पुनरावृत्ति न कर दे, जब अटल जी के जमाने में अरुण जेटली ने शांतिनंदी इंडिया का नाम दिया था और क्या परिणाम आये, आरंभ सामने है। प्रेश में चल रही विकास यात्रा में उत्तराखण्ड की एक लघु अटल गुजरात के रूप में कमोबेश हर जगह प्रदर्शित हो रहा है, भले ही छुटपुट हो। इससे हर आसक्त बलवती हो रही है कि वह यह कदम उठाए न यह जगह? विपरीत इसके कि संकेतों को समझकर अगले 9 महीने में इसे बेअसर भी किया जा सकता है? अब यदि कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं की दृष्टि से बात करे से तो प्रदेश में यह पहली बार हो रहा है कि चुनाव होने के पूर्व ही नेतृत्व पर शंका व विवाद की स्थिति नहीं है। “एक साथ साथ संघे” जैसी स्थिति है। अर्थात् कांग्रेस की जीत की स्थिति में कमलनाथ ही मुख्यमंत्री बनेंगे, दूसरे कोई शक ओ शुद्ध नहीं है। इसलिए चुने हुए विधायकों के ताकत व मजबूती से लड़ने के लिए प्रेरक तत्व होकर ताकत बन सकती है।

आज का पंचांग (शुक्रवार, 03 मार्च 2023)

चौपाड़िया विचार

१. दुम, २-उम, ३-उम, ४-उम, ५-उम, ६-उम, ७-उम, ८-उम, ९-उम, १०-उम, ११-उम, १२-उम, १३-उम, १४-उम, १५-उम, १६-उम, १७-उम, १८-उम, १९-उम, २०-उम, २१-उम, २२-उम, २३-उम, २४-उम, २५-उम, २६-उम, २७-उम, २८-उम, २९-उम, ३०-उम, ३१-उम, ३२-उम, ३३-उम, ३४-उम, ३५-उम, ३६-उम, ३७-उम, ३८-उम, ३९-उम, ४०-उम, ४१-उम, ४२-उम, ४३-उम, ४४-उम, ४५-उम, ४६-उम, ४७-उम, ४८-उम, ४९-उम, ५०-उम, ५१-उम, ५२-उम, ५३-उम, ५४-उम, ५५-उम, ५६-उम, ५७-उम, ५८-उम, ५९-उम, ६०-उम, ६१-उम, ६२-उम, ६३-उम, ६४-उम, ६५-उम, ६६-उम, ६७-उम, ६८-उम, ६९-उम, ७०-उम, ७१-उम, ७२-उम, ७३-उम, ७४-उम, ७५-उम, ७६-उम, ७७-उम, ७८-उम, ७९-उम, ८०-उम, ८१-उम, ८२-उम, ८३-उम, ८४-उम, ८५-उम, ८६-उम, ८७-उम, ८८-उम, ८९-उम, ९०-उम, ९१-उम, ९२-उम, ९३-उम, ९४-उम, ९५-उम, ९६-उम, ९७-उम, ९८-उम, ९९-उम, १००-उम, १०१-उम, १०२-उम, १०३-उम, १०४-उम, १०५-उम, १०६-उम, १०७-उम, १०८-उम, १०९-उम, ११०-उम, १११-उम, ११२-उम, ११३-उम, ११४-उम, ११५-उम, ११६-उम, ११७-उम, ११८-उम, ११९-उम, १२०-उम, १२१-उम, १२२-उम, १२३-उम, १२४-उम, १२५-उम, १२६-उम, १२७-उम, १२८-उम, १२९-उम, १३०-उम, १३१-उम, १३२-उम, १३३-उम, १३४-उम, १३५-उम, १३६-उम, १३७-उम, १३८-उम, १३९-उम, १४०-उम, १४१-उम, १४२-उम, १४३-उम, १४४-उम, १४५-उम, १४६-उम, १४७-उम, १४८-उम, १४९-उम, १५०-उम, १५१-उम, १५२-उम, १५३-उम, १५४-उम, १५५-उम, १५६-उम, १५७-उम, १५८-उम, १५९-उम, १६०-उम, १६१-उम, १६२-उम, १६३-उम, १६४-उम, १६५-उम, १६६-उम, १६७-उम, १६८-उम, १६९-उम, १७०-उम, १७१-उम, १७२-उम, १७३-उम, १७४-उम, १७५-उम, १७६-उम, १७७-उम, १७८-उम, १७९-उम, १८०-उम, १८१-उम, १८२-उम, १८३-उम, १८४-उम, १८५-उम, १८६-उम, १८७-उम, १८८-उम, १८९-उम, १९०-उम, १९१-उम, १९२-उम, १९३-उम, १९४-उम, १९५-उम, १९६-उम, १९७-उम, १९८-उम, १९९-उम, २००-उम, २०१-उम, २०२-उम, २०३-उम, २०४-उम, २०५-उम, २०६-उम, २०७-उम, २०८-उम, २०९-उम, २१०-उम, २११-उम, २१२-उम, २१३-उम, २१४-उम, २१५-उम, २१६-उम, २१७-उम, २१८-उम, २१९-उम, २२०-उम, २२१-उम, २२२-उम, २२३-उम, २२४-उम, २२५-उम, २२६-उम, २२७-उम, २२८-उम, २२९-उम, २३०-उम, २३१-उम, २३२-उम, २३३-उम, २३४-उम, २३५-उम, २३६-उम, २३७-उम, २३८-उम, २३९-उम, २४०-उम, २४१-उम, २४२-उम, २४३-उम, २४४-उम, २४५-उम, २४६-उम, २४७-उम, २४८-उम, २४९-उम, २५०-उम, २५१-उम, २५२-उम, २५३-उम, २५४-उम, २५५-उम, २५६-उम, २५७-उम, २५८-उम, २५९-उम, २६०-उम, २६१-उम, २६२-उम, २६३-उम, २६४-उम, २६५-उम, २६६-उम, २६७-उम, २६८-उम, २६९-उम, २७०-उम, २७१-उम, २७२-उम, २७३-उम, २७४-उम, २७५-उम, २७६-उम, २७७-उम, २७८-उम, २७९-उम, २८०-उम, २८१-उम, २८२-उम, २८३-उम, २८४-उम, २८५-उम, २८६-उम, २८७-उम, २८८-उम, २८९-उम, २९०-उम, २९१-उम, २९२-उम, २९३-उम, २९४-उम, २९५-उम, २९६-उम, २९७-उम, २९८-उम, २९९-उम, ३००-उम, ३०१-उम, ३०२-उम, ३०३-उम, ३०४-उम, ३०५-उम, ३०६-उम, ३०७-उम, ३०८-उम, ३०९-उम, ३१०-उम, ३११-उम, ३१२-उम, ३१३-उम, ३१४-उम, ३१५-उम, ३१६-उम, ३१७-उम, ३१८-उम, ३१९-उम, ३२०-उम, ३२१-उम, ३२२-उम, ३२३-उम, ३२४-उम, ३२५-उम, ३२६-उम, ३२७-उम, ३२८-उम, ३२९-उम, ३३०-उम, ३३१-उम, ३३२-उम, ३३३-उम, ३३४-उम, ३३५-उम, ३३६-उम, ३३७-उम, ३३८-उम, ३३९-उम, ३४०-उम, ३४१-उम, ३४२-उम, ३४३-उम, ३४४-उम, ३४५-उम, ३४६-उम, ३४७-उम, ३४८-उम, ३४९-उम, ३५०-उम, ३५१-उम, ३५२-उम, ३५३-उम, ३५४-उम, ३५५-उम, ३५६-उम, ३५७-उम, ३५८-उम, ३५९-उम, ३६०-उम, ३६१-उम, ३६२-उम, ३६३-उम, ३६४-उम, ३६५-उम, ३६६-उम, ३६७-उम, ३६८-उम, ३६९-उम, ३७०-उम, ३७१-उम, ३७२-उम, ३७३-उम, ३७४-उम, ३७५-उम, ३७६-उम, ३७७-उम, ३७८-उम, ३७९-उम, ३८०-उम, ३८१-उम, ३८२-उम, ३८३-उम, ३८४-उम, ३८५-उम, ३८६-उम, ३८७-उम, ३८८-उम, ३८९-उम, ३९०-उम, ३९१-उम, ३९२-उम, ३९३-उम, ३९४-उम, ३९५-उम, ३९६-उम, ३९७-उम, ३९८-उम, ३९९-उम, ४००-उम, ४०१-उम, ४०२-उम, ४०३-उम, ४०४-उम, ४०५-उम, ४०६-उम, ४०७-उम, ४०८-उम, ४०९-उम, ४१०-उम, ४११-उम, ४१२-उम, ४१३-उम, ४१४-उम, ४१५-उम, ४१६-उम, ४१७-उम, ४१८-उम, ४१९-उम, ४२०-उम, ४२१-उम, ४२२-उम, ४२३-उम, ४२४-उम, ४२५-उम, ४२६-उम, ४२७-उम, ४२८-उम, ४२९-उम, ४३०-उम, ४३१-उम, ४३२-उम, ४३३-उम, ४३४-उम, ४३५-उम, ४३६-उम, ४३७-उम, ४३८-उम, ४३९-उम, ४४०-उम, ४४१-उम, ४४२-उम, ४४३-उम, ४४४-उम, ४४५-उम, ४४६-उम, ४४७-उम, ४४८-उम, ४४९-उम, ४५०-उम, ४५१-उम, ४५२-उम, ४५३-उम, ४५४-उम, ४५५-उम, ४५६-उम, ४५७-उम, ४५८-उम, ४५९-उम, ४६०-उम, ४६१-उम, ४६२-उम, ४६३-उम, ४६४-उम, ४६५-उम, ४६६-उम, ४६७-उम, ४६८-उम, ४६९-उम, ४७०-उम, ४७१-उम, ४७२-उम, ४७३-उम, ४७४-उम, ४७५-उम, ४७६-उम, ४७७-उम, ४७८-उम, ४७९-उम, ४८०-उम, ४८१-उम, ४८२-उम, ४८३-उम, ४८४-उम, ४८५-उम, ४८६-उम, ४८७-उम, ४८८-उम, ४८९-उम, ४९०-उम, ४९१-उम, ४९२-उम, ४९३-उम, ४९४-उम, ४९५-उम, ४९६-उम, ४९७-उम, ४९८-उम, ४९९-उम, ५००-उम, ५०१-उम, ५०२-उम, ५०३-उम, ५०४-उम, ५०५-उम, ५०६-उम, ५०७-उम, ५०८-उम, ५०९-उम, ५१०-उम, ५११-उम, ५१२-उम, ५१३-उम, ५१४-उम, ५१५-उम, ५१६-उम, ५१७-उम, ५१८-उम, ५१९-उम, ५२०-उम, ५२१-उम, ५२२-उम, ५२३-उम, ५२४-उम, ५२५-उम, ५२६-उम, ५२७-उम, ५२८-उम, ५२९-उम, ५३०-उम, ५३१-उम, ५३२-उम, ५३३-उम, ५३४-उम, ५३५-उम, ५३६-उम, ५३७-उम, ५३८-उम, ५३९-उम, ५४०-उम, ५४१-उम, ५४२-उम, ५४३-उम, ५४४-उम, ५४५-उम, ५४६-उम, ५४७-उम, ५४८-उम, ५४९-उम, ५५०-उम, ५५१-उम, ५५२-उम, ५५३-उम, ५५४-उम, ५५५-उम, ५५६-उम, ५५७-उम, ५५८-उम, ५५९-उम, ५६०-उम, ५६१-उम, ५६२-उम, ५६३-उम, ५६४-उम, ५६५-उम, ५६६-उम, ५६७-उम, ५६८-उम, ५६९-उम, ५७०-उम, ५७१-उम, ५७२-उम, ५७३-उम, ५७४-उम, ५७५-उम, ५७६-उम, ५७७-उम, ५७८-उम, ५७९-उम, ५८०-उम, ५८१-उम, ५८२-उम, ५८३-उम, ५८४-उम, ५८५-उम, ५८६-उम, ५८७-उम, ५८८-उम, ५८९-उम, ५९०-उम, ५९१-उम, ५९२-उम, ५९३-उम, ५९४-उम, ५९५-उम, ५९६-उम, ५९७-उम, ५९८-उम, ५९९-उम, ६००-उम, ६०१-उम, ६०२-उम, ६०३-उम, ६०४-उम, ६०५-उम, ६०६-उम, ६०७-उम, ६०८-उम, ६०९-उम, ६१०-उम, ६११-उम, ६१२-उम, ६१३-उम, ६१४-उम, ६१५-उम, ६१६-उम, ६१७-उम, ६१८-उम, ६१९-उम, ६२०-उम, ६२१-उम, ६२२-उम, ६२३-उम, ६२४-उम, ६२५-उम, ६२६-उम, ६२७-उम, ६२८-उम, ६२९-उम, ६३०-उम, ६३१-उम, ६३२-उम, ६३३-उम, ६३४-उम, ६३५-उम, ६३६-उम, ६३७-उम, ६३८-उम, ६३९-उम, ६४०-उम, ६४१-उम, ६४२-उम, ६४३-उम, ६४४-उम, ६४५-उम, ६४६-उम, ६४७-उम, ६४८-उम, ६४९-उम, ६५०-उम, ६५१-उम, ६५२-उम, ६५३-उम, ६५४-उम, ६५५-उम, ६५६-उम, ६५७-उम, ६५८-उम, ६५९-उम, ६६०-उम, ६६१-उम, ६६२-उम, ६६३-उम, ६६४-उम, ६६५-उम, ६६६-उम, ६६७-उम, ६६८-उम, ६६९-उम, ६७०-उम, ६७१-उम, ६७२-उम, ६७३-उम, ६७४-उम, ६७५-उम, ६७६-उम, ६७७-उम, ६७८-उम, ६७९-उम, ६८०-उम, ६८१-उम, ६८२-उम, ६८३-उम, ६८४-उम, ६८५-उम, ६८६-उम, ६८७-उम, ६८८-उम, ६८९-उम, ६९०-उम, ६९१-उम, ६९२-उम, ६९३-उम, ६९४-उम, ६९५-उम, ६९६-उम, ६९७-उम, ६९८-उम, ६९९-उम, ७००-उम, ७०१-उम, ७०२-उम, ७०३-उम, ७०४-उम, ७०५-उम, ७०६-उम, ७०७-उम, ७०८-उम, ७०९-उम, ७१०-उम, ७११-उम, ७१२-उम, ७१३-उम, ७१४-उम, ७१५-उम, ७१६-उम, ७१७-उम, ७१८-उम, ७१९-उम, ७२०-उम, ७२१-उम, ७२२-उम, ७२३-उम, ७२४-उम, ७२५-उम, ७२६-उम, ७२७-उम, ७२८-उम, ७२९-उम, ७३०-उम, ७३१-उम, ७३२-उम, ७३३-उम, ७३४-उम, ७३५-उम, ७३६-उम, ७३७-उम, ७३८-उम, ७३९-उम, ७४०-उम, ७४१-उम, ७४२-उम, ७४३-उम, ७४४-उम, ७४५-उम, ७४६-उम, ७४७-उम, ७४८-उम, ७४९-उम, ७५०-उम, ७५१-उम, ७५२-उम, ७५३-उम, ७५४-उम, ७५५-उम, ७५६-उम,

व्युत्थारेण करणे का लक्ष्य रखा गया है। इस योजनाकडारां राज्य शासन द्वारा 5 एकड़ तक व्युत्थारेण हेतु 100 प्रतिशत अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में व्युत्थारेण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान देणो। चिह्नित वृक्ष प्रजातियों की खेरीयां हेतु न्यूनतम क्रय मूल्य का निर्धारण भी शासन द्वारा किय गयला। 5 वर्षों में रोपित सभी प्रजातियों के वृक्ष प्रकाश होणे पर उनका मूल्य 10 हजार करीब रोपे होणे की सम्भावना है। इस योजना से किसानां को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 15 हजार से 50 हजार तक आय सम्भावित है। इसके अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी किसानां को अतिरिक्त आय होगी।

न्यूज गैलरी

वृद्धा आश्रम पहुंची शीलू साहू, जाना हाथ चाल



मुंगेली/नवप्रदेश। जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा नेता शीलू साहू एमएलए वृद्धा आश्रम पहुंचकर उनकी सुख दुख जानी। उन्होंने उनके साथ समय दिन की खुरिशां की। इस अवसर पर मां महामया देवी की पूजा अर्चना कर भवभावियां का समुह की आशीर्वाद लीं। उनके निवास में समर्थकों व कार्यकर्ता पहुंचाई देने पहुंचे। उन्होंने वृद्धाश्रम में भाववुत्त गीता, सेव, अंगूर, संतरा, ब्रिक्केट और बारगुह के बच्चों को पेन, कापी, शीत, रबर, पेंसिल, पेंसिल बाक्स, शीत कटर व हिलोनी बैटबाल वितरण की।

सीएम बांडी बिलिंग में मुकेश गुप्ता बने मिस्टर छत्तीसगढ़

कोरबा/नवप्रदेश। कुरुमरी में हुए प्रथम सीएम छत्तीसगढ़ बांडी बिलिंग प्रतियोगिता में कोरबा के मुकेश गुप्ता खिताब जीतकर मिस्टर छत्तीसगढ़ बने। कुहारी के दुर्गा में हुए इस वन हनुमान व्यामशाला द्वारा प्रथम सीएम छत्तीसगढ़ बांडी बिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रदीप झा, सचिव विकास शुक्ला तथा उनकी टीम द्वारा आयोजित उक्त प्रतियोगिता में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के प्रतिभागी शामिल हुए थे। प्रतिभागियों ने अपने शारीरिक शौक्षण का प्रदर्शन कर खूब तालियां बटोरीं। उक्त प्रतियोगिता में कोरबा जिले काकोरनर निवासी मुकेश गुप्ता भी शामिल हुए थे। जो अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए यह प्रथम सीएम ट्रॉफी विजय बने। उन्हें मिस्टर छत्तीसगढ़ के खिताब से नवाजा गया। मुकेश गुप्ता ने इस जीत का श्रेय अपनी पत्नी निशा गुप्ता को दिया है। मुकेश गुप्ता के मुताबिक उन्होंने 6वीं बार मिस्टर छत्तीसगढ़ का खिताब हासिल किया है। मुकेश ने बताया कि कोम्पिटशन काफ़ी मुश्किल था। अपनी पूरी मेहनत लगाने के बाद 6वीं बार मिस्टर छत्तीसगढ़ बन पाए हैं। उन्होंने आज की युवा पीढ़ी के संबंध में कहा कि आज के युवा शारीरिक रूप से कमजोर हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण है शतत दिनचर्या और नशा। युवाओं को अपने शरीर का रखना रखना चाहिए और दूरी आदतों को छोड़ खेल-कूद, योगाभ्यास या जिम में 45 मिनट मेहनत करनी चाहिए। नरें से दूर रहने पर शारीरिक रूप से युवा मजबूत होंगे।

14 कॉलेजों के फिकबाक्सरों ने लिया हिस्सा

कोरबा/नवप्रदेश। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी के माधुरस में अटल बिज्जु वापेयी पीजी कॉलेज कोरबा व गवर्नमेंट पीजी कॉलेज कोरबा के तत्वावधान में एंटर कॉलेज फिक बाक्सर प्रतियोगिता का आयोजन सीएमए फिक बाक्सर एकडेमी में किया गया। पीजी कॉलेज के वरिष्ठ खेल अधिकारी डॉ.वीरस राव ने बताया कि प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी से स्नातकी कोरबा व बिलासपुर जिले के 14 कॉलेजों के फिक बाक्सर खिलाड़ी, कोरे व मैनेजर ने हिस्सा लिया। चर्यनत खिलाड़ी वीर बहदुर पूर्वांचल यूनिवर्सिटी में होने वाली अंतिम इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। फिक बाक्सर एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के कार्यकारी अध्यक्ष एकडेमी के संस्थापक तारकेश मिश्रा व महासचिव आकाश मुर्दुवांस ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में फिक बाक्सर के पाइंट फ्रॉंटिंग, फिक लाइव, फूट कोर्टवट व लो-फिक को महिला-पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता विभिन्न वजन वर्गों में कराई गई। चरन समिति में आनिमा मीर, गौरि बलवंत, सत्येंद्र सिंह और रेमी जून ऑफिशियल रूप में मोहम्मद जुनैद आलम, शानू मेहराज उपस्थित थे। प्रतियोगिता में आल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए चर्यनत फिक बाक्सर को कॉलेज की प्रचार्य डॉ.साधना खेर, क्रीडा समिति के सदस्य श्रु मिश्रा, डॉ.संपद शुक्ला, डॉ.अनिका कौशिल, सुशील गुप्ता, गुधम खोसिया, साहनी चौहान व सीएमए, फिक बाक्सर एकडेमी की संस्थापिका प्रोती मिश्रा ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

बच्चे भटककर हो गए थे गुम सीसीटीवी से खोज निकाला

कोरबा/नवप्रदेश। कुसमुंड के गेवरा रोड स्टेशन के पास से खूबसूरत लड़का हुए बच्चे भटककर दूर चले गए थे। उनके लापता होने की सूचना पर पुलिस ने उन्हें चंद घंटे के भीतर खोज निकाला। कुसमुंड बचपन के गेवरा रोड रेलवे स्टेशन के पास अवधेश कुमार के महकन में चंदन पौवार समेत बच्चे के महकन में पाए गए। उसकी दो पड़ोशिका 6 व 5 वर्षीय बहन स्कूल में पहुंची हैं, जो बुधवार को स्कूल से लौटने के बाद घर के पास ही खेल रहे थे। बाद में वहां नहीं दिखे। आसपास घूम करने पर वह नहीं मिली। इससे चिंतित परिवार ने खोजबीन की, पर वे नहीं मिले।

सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ करें काम : शर्मा

- अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित
- अरुंर कामों को पूरी गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने के निर्देश



बिलासपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सलाहकार प्रदीप शर्मा की अध्यक्षता में अरपा बेसिन विकास प्राधिकरण की बैठक आज यहां मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में अरपा नदी के विस्थापित के लिए स्वीकृत कामों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। कृषि विधिविभाग विकासपुर के कुलपति भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

अरपा बेसिन के क्षेत्र को फ्लैट्स की खेती के लिए उपयुक्त बनाते हुए अधिकारियों को इसके लिए कार्ययोजना बनाने का। बैठक में अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभय नारायण राय, सदस्य महेश दुने, नरेंद्र बोरल, आशा पंडे सहित कलेक्टर सीएम कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। कृषि विधिविभाग विकासपुर के कुलपति भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस ने किया पीएम का पुतला दहन

मुंगेली/नवप्रदेश। केन्द्र सरकार के द्वारा फेरल एवं कमरेजिबल गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास, प्रदेश भारती एवं प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष राजेश छैड्यंशा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। बड़ौदा महाराज के विधांषि जिला युवा कोरस ने हंकार भरते हुए नगर के कोरस परसे से पड़वां चले तक फैलत मार्च कर केंद्र सरकार के खिलाफ में जमकर नारे बाजी करते हुए प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया।



इस अवसर पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लगातार बड़ौदा महाराज ने पहले से ही आम आदमी की कम्हट रोख रखी थी, ऐसे में उठे होली लौहार से पहले रसोई गैस में हुए बखोसरी ने आम जन जीवन को और ज़ख्मिल कर रहा दिया है। जिस समय

केन्द्र की भाजपा सरकार विभाग में बैठती थी उस दौरान रसोई गैस के दामों में बांडी सी भी बखोसरी पर केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी हलकार मंचा देती थी जिसका मंत्री को चुड़िया पेट करती थी। वर्तमान में बड़ौदा दामों को लेकर अब सरकार मौन बयो हो गई है। क्या अब प्रधानमंत्री को चुड़िया पेट करोगे, आज जनता पूछ रही है, क्या अडमनी को हो रहे नुकसान की भरपाई आम आदमी के जेब से भरने का मन बना रही है।

जमीन विवाद में मुर्गे की बनाया हथियार मुर्गा चोरी के विवाद उलझी पुलिस

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस फिलेन कई दिनों से मुर्गा चोरी कर उसे मारने के विवाद में उलझी हुई है। महिला ने पड़ोसी पर अपने देशी मुर्गे को चोरी कर मारने का आरोप लगाया हुए शिकायत की थी, जिसके बाद हकगत में आई पुलिस पड़ोसी पति-पत्नी को फकड़कर थाने ले आई। पूछताछ में पता चला कि महिला ने जमीन विवाद के चलते पड़ोसी को फंसने के लिए मुर्गा चोरी कर उसे मारकर घायल करने का आरोप लगाया था। इस विवाद को सुलझाए के लिए पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ प्रतियोगिता कारवाई की। पूरा मामला तत्पुन थाना क्षेत्र का है।



दरअसल, लीट दिन पहले पुलिस के पास एक अजीबोगरीब मामला सामने आया था, जिसमें ग्राम सिलहदा निवासी जानकीबाई बिंखवार अपने देशी

मुर्गे को लेकर थाने पहुंची थी। महिला ने पुलिस को बताया कि वह मुर्गा पालन करती है। उसके मुर्गे को पड़ोसी दम्पती चोरी करने व उसे मारकर घायल करने की फिक्र में थे, तभी उसने देखा लिया। इस घटना में मुर्गा घायल हो गया है और उसे पंख टूट गए हैं। महिला ने पड़ोसी पति पत्नी पर वैधानिक कार्रवाई का कस दब कर देने की मांग की थी।

कलेक्टर ने मिशन परिवार विकास पखवाड़ा प्रचार रथ को दिखाई हरी झंडी

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर राहुल देव ने आज जिला कलेक्टोरेट परिसर से मिशन परिवार विकास पखवाड़ा प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस प्रचार रथ के द्वारा 05 दिसम्बर तक जिले के सभी विधायकक्षेत्रों के विभिन्न ग्रामों में जाकर मुख्यालय को जागरूक करते हुए परिवार नियोजन के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.एस.जगदुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र पैकार, कृषि विभाग गिरिश कूर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे। ब्रिटिश के कि जिले में स्वास्थ्य एवं परिवार विभाग के द्वारा मिशन परिवार विकास पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में



ग्रीष्म काल में पेयजल की उपलब्धता के लिए सभी आवश्यक तैयारी अभी से दुरुस्त करें : कलेक्टर

- कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक
- सभी ग्राम पंचायतों में गौतन निर्माण हेतु अतिरिक्त स्थल से बेजा कब्जा हटाने के लिए निर्देश



मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर राहुल देव ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनीषारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर जनरेशन, कॉल सेंटर, पोलिप्ले ओपेल सहित विभिन्न विभागों के लीडर प्रकरणों को गहन समीक्षा की और निम्नानुसार त्वरित निराकरण के सहज निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि ग्रामीणपाल में पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न होनी चाहिए। उन्होंने समय-सीमा की बैठक का निर्देश दिया।

पेयजल की उपलब्धता हेतु सभी आवश्यक तैयारी अभी से दुरुस्त करने के निर्देश सभी सीएमओ को दिए। इसी तरह उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में भी ग्रामीणपाल में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी छात्रावासों, स्कूलों, आंगनवाड़ी में भी पेयजल की उपलब्धता की जानकारी ली। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री स्कूल जलन योजना अंतर्गत जिले के सभी जंजर स्कूल भवनों की मरम्मत कराने तथा अति आवश्यक अतिरिक्त कक्ष के निर्माण हेतु शीघ्र कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि चिकित्सकों द्वारा अनिवार्य रूप से श्री ध्वनरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर को खाली रखी जा रहे हैं। इसका अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिलना चाहिए। कलेक्टर

निगम सीमा क्षेत्र में नालों के गंदे पानी को रोकने के लिए एस्टेपी योजना के कार्यों की ताला हलात की जानकारी दी। सिंचाई विभाग द्वारा अरपा नदी को जीवित रखने के लिए अरपा नदी में 20 योजनाओं का निर्माण किया गया है। इसी प्रकार सिंचाई विभाग द्वारा अरपा नदी में निर्माणोन्वीन अरपा पैसाइडर, कौनी के पास डाईक निर्माण, शिवघाट बैराज और पचरीघाट बैराज निर्माण की जानकारी दी गई। श्री शर्मा ने कहा कि इन योजनाओं के निर्माण में कोटाही बिल्कुल बंदीश नहीं की जाएगी। इसके अलावा प्राधिकरण के अंतर्गत कार्य कराए जा रहे अन्य विभागों जैसे वन विभाग, माहानि और जिला पंचायत के कामों की भी समीक्षा की गयी। अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभय नारायण ने कहा कि जलनवालाओं के अनुसूच अरपा नदी को संभालने के लिए त्वरित गति से काम किया जाए। उन्होंने लोगों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी ज़ाहिर करते हुए जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

एसईसीएल गेवरा कोल माइंस में लगी भीषण आग, कोयला जलकर खाक

कोरबा/नवप्रदेश। कोरबा जिले के एसईसीएल गेवरा कोल माइंस के कोल स्टॉक में मोबाइल को लगी भीषण आग पर बुधवार तड़के कड़ा पा लिया गया। गेवरा के अन्दर वालिका कोल स्टॉक में लगी आग पर 4 घंटे की कड़ी मशकत के बाद आग पाया जा सका।आग लगने के कारण कोल ड्रॉइया को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। इसपर मौमले में प्रबन्धन की भी सवाल उठ रहे हैं। इस बारे में जब एसईसीएल के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उनका मोबाइल बंद मिला। वहीं घटनास्थल पर मौजूद अधिकारी इस संबंध में कुछ भी कहने से बचते नजर आए। बताया जा रहा है कि आग काफी समय से लगी हुई थी, लेकिन अधिकारियों ने उस पर संज्ञा नहीं ली। आग फैलती चली गई। वह जाकर आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। 4 घंटे की कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कोल स्टॉक का काफी हिस्सा धू-धूकर जल चुका था। इससे पहले भी कुसमुंड गेवरा दीफका और मानिकपुर के कोल माइंस में आग लग चुकी है।

कलेक्टर सहित 160 अधिकारी-कर्मचारियों ने कराई स्वास्थ्य जांच

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री शहरी स्वस्थ स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आज जिला कलेक्टोरेट परिसर में मोबाइल मेडिकल युनिट के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।आज कलेक्टर राहुल देव सहित 160 अधिकारी-कर्मचारियों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई और शासन की निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लिया। 74 लोगों का विभिन्न प्रकार की पैथोलॉजी जांच किया गया तथा 113 लोगों को आवश्यकतानुसार निशुल्क दवाई वितरण किया गया। इस दौरान

प्रगतिरत कार्यो को समयसीमा में पूरा करें : आयुक्त



कोरबा/नवप्रदेश। आयुक्त जनसमस्याओं से संबंधित प्रकरणों का निराकरण, नागरिकों से सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराए तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी व प्लेनरीशप योजनाओं का वृतिरहित संचालन एवं उनका वारंवारिक लाभ प्राप्त होने तक पहुंचाने की दिशा में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें।

आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली तथा निगम के जून कर्मचारियों, अभिभावकों व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में निगम के विकास व निर्माण कार्यों, नगर पालिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं आदि की कार्यप्रगति की समीक्षा के साथ-साथ निगम के राजस्व वसुली कार्यों, अनियमित विकास का नियमितकरण, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था सहित निगम के विविध कार्यों की विन-दुबार समीक्षा की। उन्होंने संसद मद, विधायक मद, प्रभारी मंत्री मद, महापौर मद,

6 घंटे के भीतर लूट का खुलासा रितायर कर्मचारी से की थी लूट, पति-पत्नी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। सरकंडा थाना क्षेत्र में हुई 2.5 लाख की लूट के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सरकंडा पुलिस और सीएसपी बिलासपुर की टीम वर्क से पुलिस ने आरोपियों को 6 घंटे से भीतर ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से मिले फुटिज को लोकल ग्रुप में वायरल किया था, जिसके बाद मुखबिर ने लुटेरों की पहचान की इसके बाद पुलिस ने मुखबिर के बयानों पर एड्रेस पर दबिश दी, जहां से आरोपी पर हो गए थे। आरोपी लूट की रकम लेकर

6 घंटे के भीतर लूट का खुलासा रितायर कर्मचारी से की थी लूट, पति-पत्नी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। सरकंडा थाना क्षेत्र में हुई 2.5 लाख की लूट के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सरकंडा पुलिस और सीएसपी बिलासपुर की टीम वर्क से पुलिस ने आरोपियों को 6 घंटे से भीतर ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से मिले फुटिज को लोकल ग्रुप में वायरल किया था, जिसके बाद मुखबिर ने लुटेरों की पहचान की इसके बाद पुलिस ने मुखबिर के बयानों पर एड्रेस पर दबिश दी, जहां से आरोपी पर हो गए थे। आरोपी लूट की रकम लेकर

आंदोलन स्थल पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सरकार को वादा याद दिलाते किया हवन

कोरबा/नवप्रदेश। कठपौर स्थित आंदोलन स्थल पर कार्यकर्ताओं सहकारियों ने हवन कूड़ बनाकर उसमें सरकार को सबूद्ध देने आहूतिवां खली। साथ ही चुनारो पेटिया दिए। कलेक्टर ने जिले में सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी प्रासित कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। उन्होंने जिले के सभी ग्राम पंचायतों में गौतन निर्माण हेतु अतिरिक्त स्थल से बेजा कब्जा हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौतन निर्माण होने से राजस्व जमीन भी सुनिश्चित रहेगा और मवेशियों के लिए एक ही जगह पर चारा, पियन, छाया की सुविधा उपलब्ध होगी।

कठपौर स्थित बीईओ कार्यालय के समक्ष आर्निबलकालीन हड़ताल में बैठी कार्यकर्ता सहकारियों ने बताया कि वह अनुग्रह प्रदेश सरकार के उम्मीद जगी थी।

अनमोल हेल्थ केयर
(इन्टरनल होमेयोपैथी क्लिनिक एंड प्रसिक्वायिन्स सेंटर)
जॉइन्ट एंड अल्फासा रोगों (जुन्तनी निमोनिया) का
ब्रेस्टफ्रीड चिकित्सा पद्धति द्वारा उपचार

डॉ. लीलादेवी (HOM. PH.D.)

आपके डॉ. के निम्नलिखित हैं इस क्लिनिक।
चिकित्सा पद्धति का नाम क्या है? होमियो।
क्या, किन्हीं विशेषताओं के साथ डॉ. को बुलाएं।
होमियोपैथी का मतलब है 'जुन्तनी निमोनिया' का
ब्रेस्टफ्रीड चिकित्सा पद्धति द्वारा उपचार।

कॉस्म, बायोट्रान्ड, भोगोरो, ग्रुपेडो, जन्म रक्तचक्र, सिंगी, अल्फासा,
कॉस्म की कमी, रक्त चिकित्सा, गुर्दे रोग, लव्हा रोग, ब्रॉन्काइ,
नशाभुजिन, टी.बी. कुटुरोड, हर्मान्स कम्पराय जिगर, लिक्वर रोग,
हृदय रोग, किडनी रोग, पल्मबो रोग, स्त्री रोग (PCOD/PCOS),
पैत/मस/कमर/जोड़ों में दर्द की समस्या, सर्पेटे दवा,
बच्चा कम करना / बढ़ाना, एडिआकॉड, मॉरिनिंग, ज्यु. आदि।

नियमित रूप से निम्न लिखित चीजों का चिकित्सा करवाएं -
नियमित चिकित्सा विशेषज्ञ अल्फासा चिकित्सा, अल्फासा चिकित्सा अल्फासा के निम्न की कमी/अधिक।
नाम: डॉ.बी.बी.नरार, मातामह, (वि. रैड्स नं. 2) हावड़ा (स.म.) को. 9029847277।